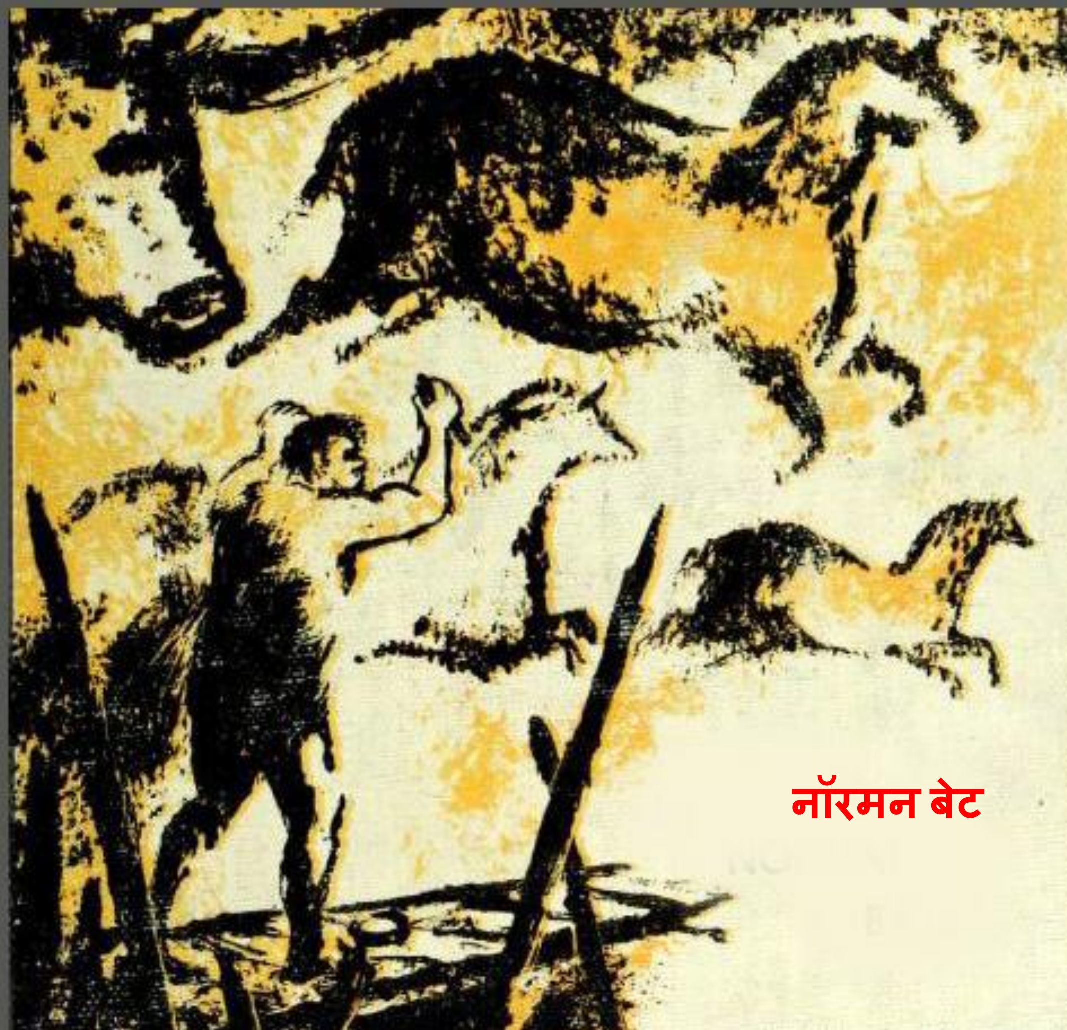
जब लोगों ने गुफाओं में चित्र बनाए



नॉरमन बेट

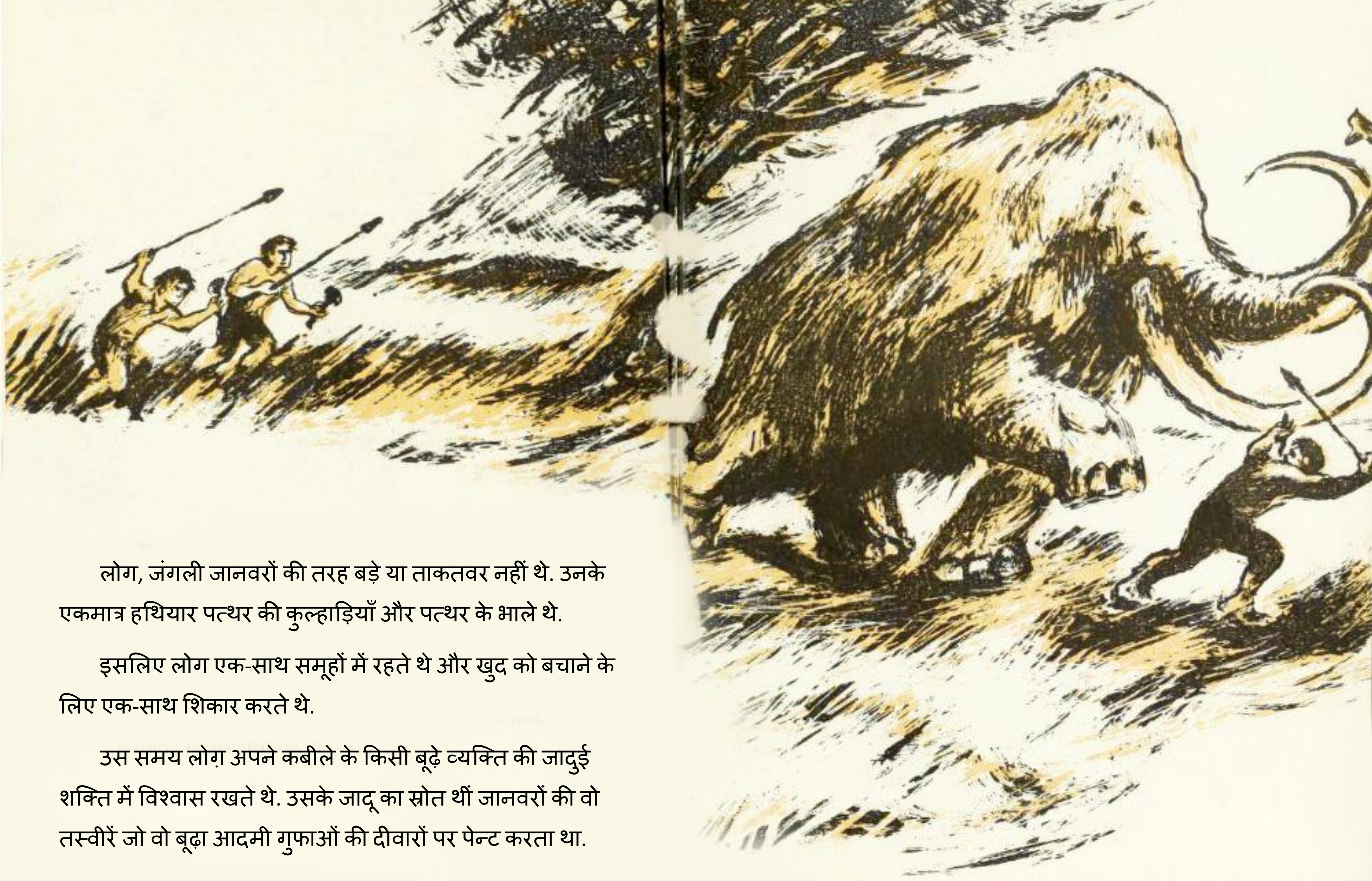
जब लोगों ने गुफाओं में चित्र बनाए



नॉरमन बेट



बहुत-बहुत पहले, जब दुनिया अब से बहुत अलग थी, तब बड़े, जंगली और भयानक जानवर ज़मीन पर घूमते थे. . . और लोग गुफाओं में रहते थे.



लोग, जंगली जानवरों की तरह बड़े या ताकतवर नहीं थे. उनके एकमात्र हथियार पत्थर की कुल्हाड़ियाँ और पत्थर के भाले थे.

इसलिए लोग एक-साथ समूहों में रहते थे और खुद को बचाने के लिए एक-साथ शिकार करते थे.

उस समय लोग़ अपने कबीले के किसी बूढ़े व्यक्ति की जादुई शक्ति में विश्वास रखते थे. उसके जादू का स्रोत थीं जानवरों की वो तस्वीरें जो वो बूढ़ा आदमी गुफाओं की दीवारों पर पेन्ट करता था.



उस काल में एक दिन, एक लड़का चुपचाप पहाड़ी के किनारे पर बैठकर नीचे घाटी में देख रहा था. उसे पता था कि जानवर, जंगल से निकलकर नदी में स्नान करने और पानी पीने के लिए आते थे.

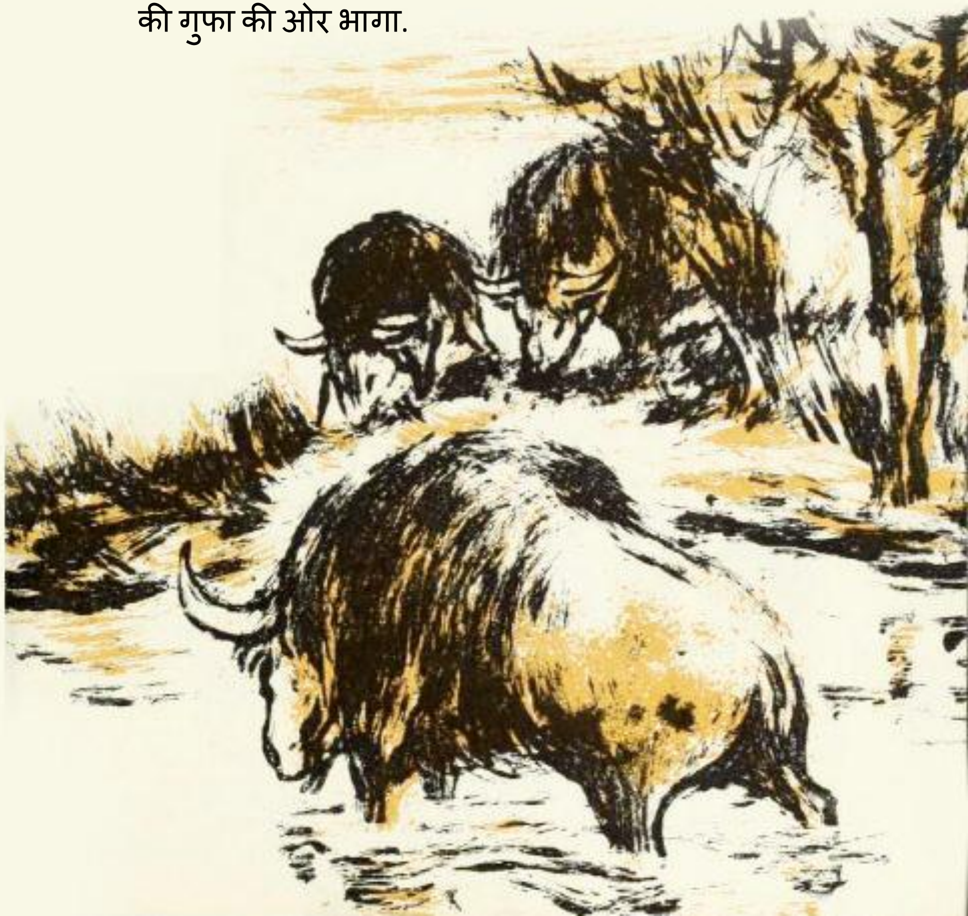
उसे कोई विशाल बाइसन या शक्तिशाली भालू दिखाई दे सकता था. वो कोई सूअर, बारहसिंगा या तेज जंगली घोड़े को भी देख सकता था.

वो इन जानवरों को अच्छी तरह से जानता था. क्योंकि उसने उन जानवरों के चित्रों को गुफा में देखा था. बूढ़े आदमी ने उन्हें गुफा की दीवारों पर पेन्ट किया था.

तभी लड़के ने नदी के किनारे कुछ हिलते हुए देखा.

कई बाइसन जंगल से बाहर निकले. लड़का, अकेले उनका शिकार नहीं कर सकता था. वो अपने कबीले में वापिस जाएगा और वहां शिकारियों को जंगली बाइसनों के बारे में बताएगा. फिर वे मिलकर शिकार करने की योजना बनाएंगे.

वो बिना रुके पहाड़ी के ऊपर चढ़ा और तेजी से अपने लोगों की गुफा की ओर भागा.



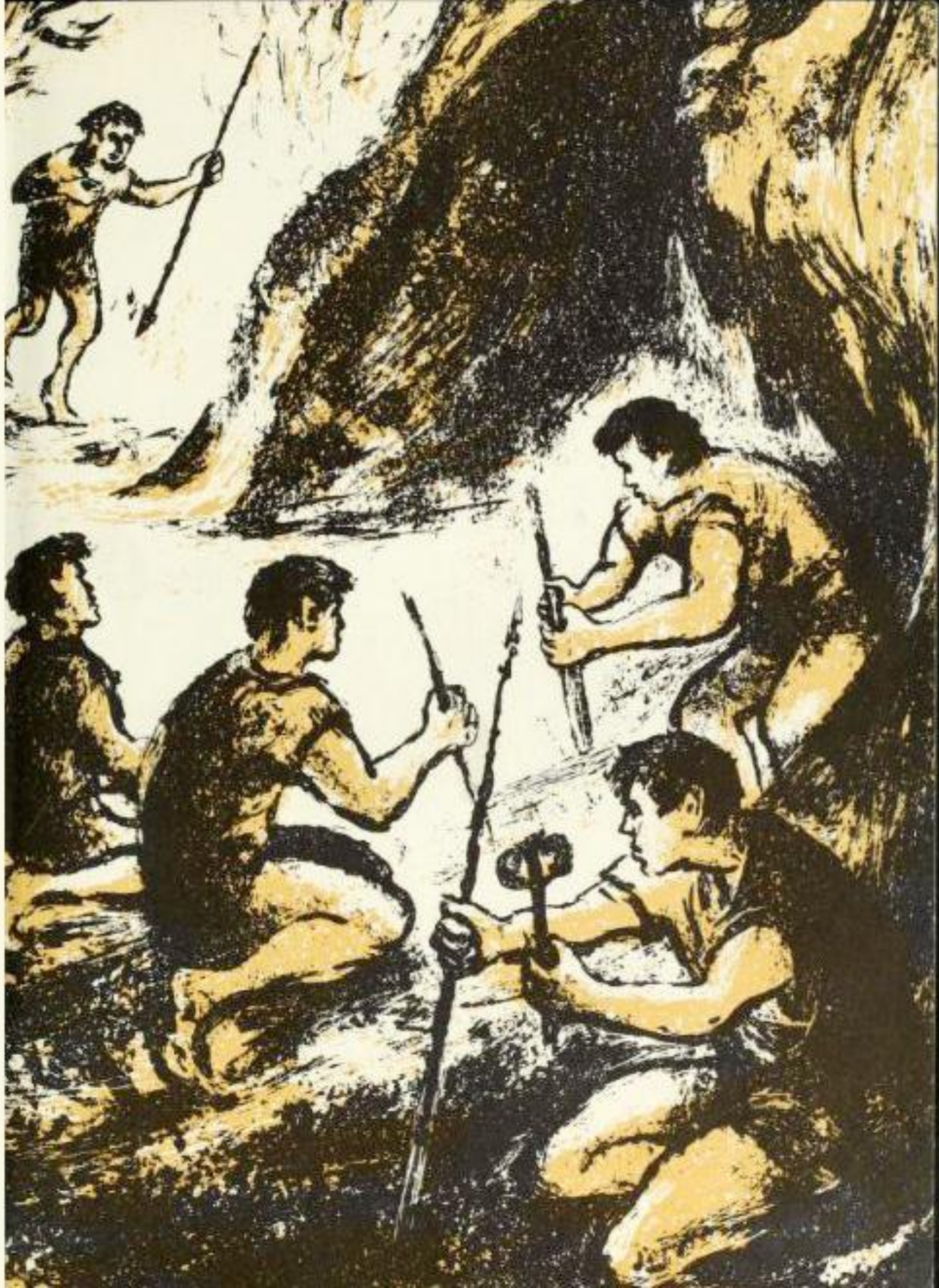
लड़का मुड़ा और भागा. उसने चट्टानों और दरारों को कूदकर पार किया. उसने वो रास्ता चुना जहाँ बड़े, खतरनाक जानवर उसका पीछा नहीं कर पाते.

फिर वो नदी से दूर चला.

जब लड़का गुफा में पहुंचा तो वो बेदम था और उसकी सांस फूल रही थी. उसने शिकारियों को उस नए जानवर के बारे में बताया जो आज उसने देखा था. उसने उन्हें उस जानवर के आकार, आँखों, त्वचा और उसके दो पैने सींगों के बारे में बताया जो एक-दूसरे के पीछे थे!

वो एक ऐसे जानवर का वर्णन था जिसे शिकारियों ने पहले कभी नहीं देखा था.

और उससे उन्हें डर लगने लगा.



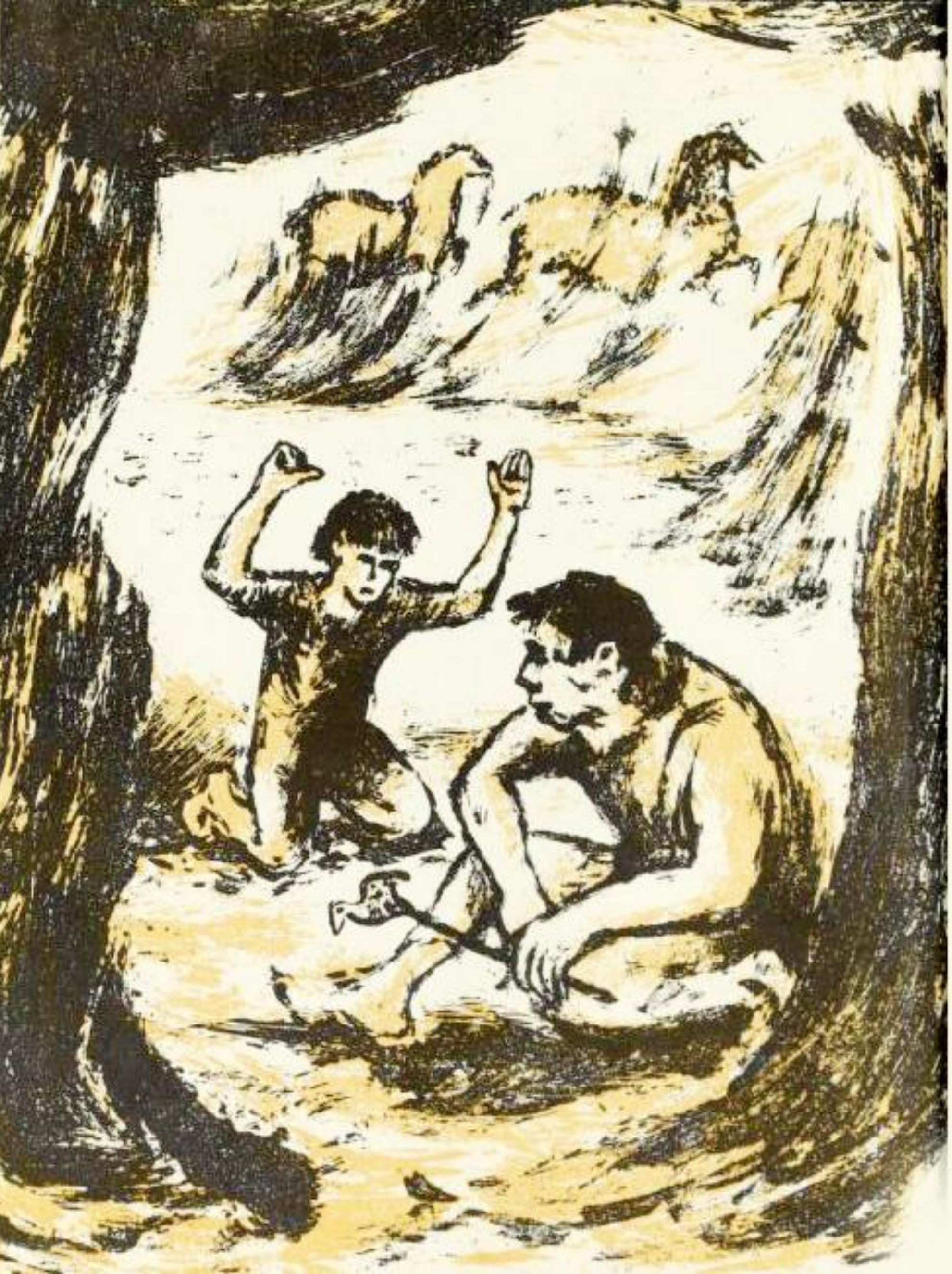


फिर लड़के ने बूढ़े आदमी की तलाश की. वो जादू की गुफा के गहरे, घुमावदार रास्तों में अंदर रेंगता हुआ गया.

गुफा की दीवारें सैकड़ों जानवरों के चित्रों से सजी थीं.

वहां बाइसन, भालू, विशाल काले बैल, लाल हिरन और भूरे घोड़े और छोटे पीले टट्टू बने थे.

चित्र इतने सजीव थे कि हर जानवर एकदम जीवित लगता था - जैसे वो दौड़ रहा हो या कूद रहा हो या वो भाला लगने के बाद एक ओर गिर रहा हो!



लड़के को गुफा के अंत में आग तापते हुए वो बूढ़ा आदमी मिला. लड़के ने चित्रकार को उस भयानक जानवर के बारे में बताया.

बूढ़े आदमी ने पूरी बात सुनी. फिर वो कई मिनट तक चुप रहा.

वो बूढ़ा भी उस जानवर के बारे में नहीं जानता था. वो जानवर उसके चित्रों में कहीं नहीं था. वो जानवर उससे पहले आए अनेकों चित्रकारों के चित्रों में भी नहीं था. बूढ़े को उस लड़के की बात पर विश्वास नहीं हुआ, लेकिन. . .

वो बूढ़ा भी डर गया.

फिर बूढ़ा बोला. उसने लड़के से कहा कि उस नए जानवर की पेंटिंग का जादू ही, लोगों के दिल से उस जानवर का डर दूर करेगा.

नया चित्र बनाने के लिए उसे नए रंगों और ब्रश की ज़रुरत होगी. उसे तेज पत्थर के औजार भी चाहिए होंगे जिनसे वो पत्थर पर लकीरे खुरच सके.

उसे रोशनी के लिए कई लैंपों की भी ज़रुरत होगी, जिससे वो एक ऊंचे और मज़बूत मंच पर बैठकर पेन्ट कर सके.

बूढ़े ने लड़के से उन सब चीजों को इकट्ठा करने को कहा.

लड़का वापस शिकारियों के पास गया. उसने उन्हें बताया कि चित्र बनाने के लिए उन्हें एक मचान (प्लेटफॉर्म) की जरूरत होगी.

फिर शिकारी जंगल में गए और अपने पत्थर की कुल्हाड़ियों से उन्होंने कुछ छोटे पेड़ काटे. फिर साफ़ तनों को वे गुफा के घुमावदार मार्ग में से एक-एक करके अंदर खींचकर लाए. फिर उन्होंने तनों को चमड़े की पट्टियों से बाँधा.

और उससे एक मजबूत मचान बनाई.

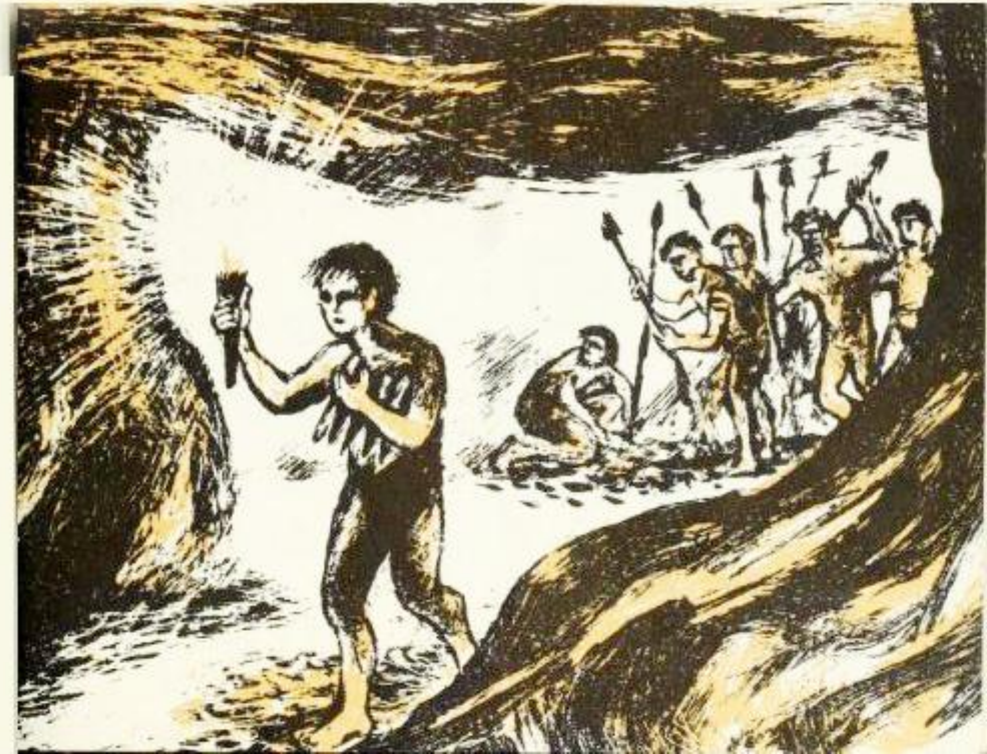




फिर लड़के ने शिकारियों से उनके पत्थर के चाक़ू मांगे. उसने उनमें से सबसे अच्छा और तेज चाक़ू चुना, और वो उसने बूढ़े आदमी को दिया.

बूढ़ा आदमी मचान पर चढ़ गया और फिर गुफा की दीवार की नरम चट्टान पर महान नए जानवर की रूपरेखा को उकेरने लगा.

लड़के ने कटोरी जैसे खोखले पत्थर इकट्ठे किए और फिर उन्हें जानवरों की पिघली हुए चर्बी से भरा. चर्बी के हरेक दीपक में उसने पेड़ों की भीतरी छाल से बनी हुई एक बाती रखी. फिर उसने उन दीपकों को गुफा में जाकर जलाया.





जब बूढ़ा आदमी काम कर रहा था तब लड़का नदी के तट पर गया और उसने वहां से खोदकर सूखी मिट्टी के टुकड़े निकाले. मिट्टी कई रंगों की थी - लाल और पीली, भूरे और सिलेटी.

उसने सभी रंगों की मिट्टी को अलग-अलग रखा और मिट्टी के प्रत्येक टुकड़े को दो सपाट पत्थरों के बीच रखकर पीसा. अंत में उसके सामने कई अलग-अलग रंगों की धूल के ढेर थे.

फिर उसने रंगों के तरल पेन्ट बनाने के लिए अलग-अलग रंगों की धूल को पिघली हुई पशु चर्बी में मिलाया. उसने तरल पेन्ट को खोखली हड्डियों में भरा जिससे पेन्ट सूखे नहीं और ताजा, नम बना रहे.

लड़के ने जंगली मधुमक्खियों के छत्तों से मोम इकट्ठा किया और उसे भी अलग-अलग रंग की धूल के साथ मिलाया. फिर उसने हरेक रंग के मोम के मिश्रण को अपने हाथों के बीच रोल करके मोटी, क्रेयॉन जैसी रंगीन छड़ें बनाईं.

बूढ़े को ब्रश की भी जरूरत थी. ब्रश के लिए लड़के ने जानवरों के बालों के गद्दे को टहनी के छोर से बांधा. उसने कुछ ब्रश (कूचियां) रेशेदार पौधों के सिरों को कूटकर बनाए.



फिर लड़का पेन्ट से भरी सभी हड्डियों, ब्रश और मोम के क्रेयॉन्स को जादू की गुफा में ले गया जहां बूढ़ा आदमी काम कर रहा था.

लड़का मचान के नीचे खड़े होकर सुनने लगा.

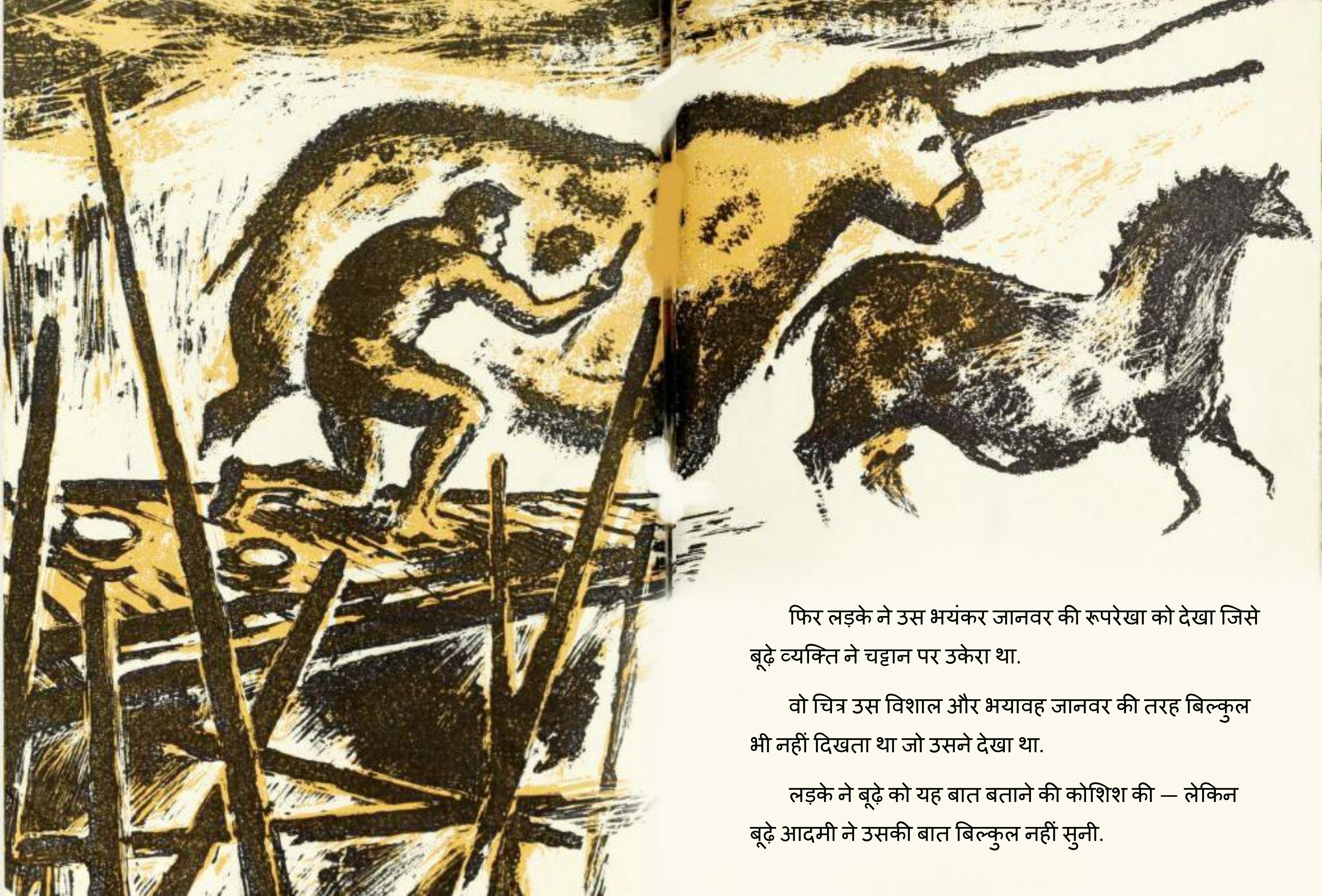
बूढ़ा, जादू के मंत्रों का जाप कर रहा था.

लड़के को बताया गया था कि जादुई मंत्रों के शब्द पृथ्वी और आकाश की यात्रा करते थे. वो मंत्र भयावह नए जानवर तक भी पहुंचेंगे और उसे कम उग्र बनाएंगे. वो मन्त्र शिकारियों तक भी पहुंचेंगे और वे उन्हें मजबूत और चालाक बनाएंगे जिससे वे अपने शिकार को मारने में सफल रहें.

लड़का यह भी जानता था कि उसे किसी दिन इन अजीब और रहस्यमय शब्दों को ज़रूर सीखना होगा.







फिर लड़के ने उस भयंकर जानवर की रूपरेखा को देखा जिसे बूढ़े व्यक्ति ने चट्टान पर उकेरा था.

वो चित्र उस विशाल और भयावह जानवर की तरह बिल्कुल भी नहीं दिखता था जो उसने देखा था.

लड़के ने बूढ़े को यह बात बताने की कोशिश की — लेकिन बूढ़े आदमी ने उसकी बात बिल्कुल नहीं सुनी.

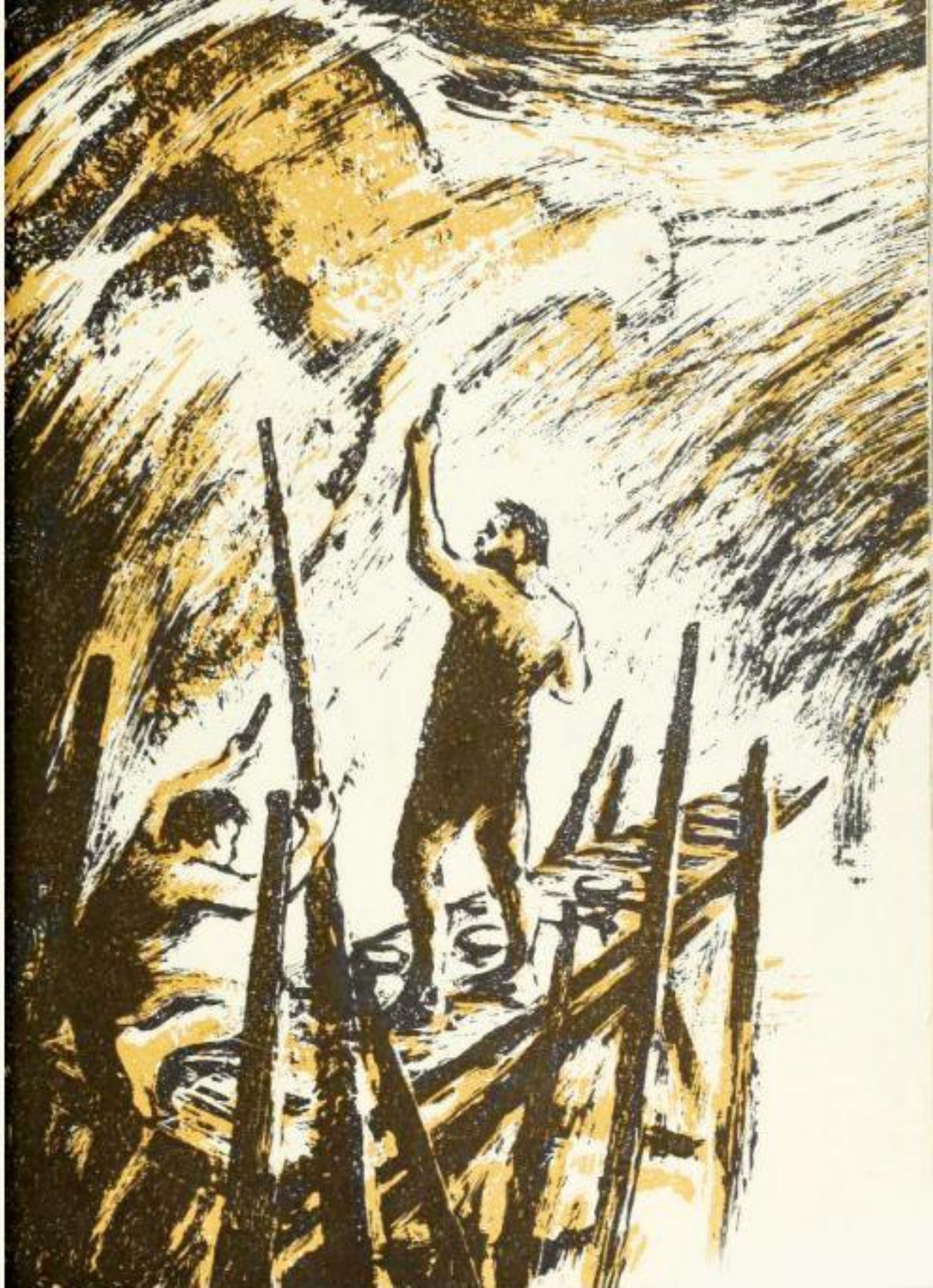
लड़का डर गया.

लड़के ने भय की हालत में बिल्कुल मौन रहकर बूढ़े आदमी की मदद की. उसने आग की कालिख और लैंप की पिघली चर्बी को मिलाकर काला पेंट बनाया.

बूढ़े आदमी ने नए जानवर की रूपरेखा पर व्यापक रूप से भारी ब्रश से काले रंग का इस्तेमाल किया. अब पेन्ट को, चट्टान की गहरी तहों ने भी जब्ज़ किया था.

जब जानवर के चित्र की रूपरेखा समाप्त हुई, तो फिर बूढ़े ने रंगीन मोम की छड़ों का उपयोग करके त्वचा में झुर्रियों और सिलवटें बनाईं. फिर उसने जानवर के शरीर पर निशान बनाने के लिए पीला और लाल पेन्ट इस्तेमाल किए. अंत में, उसने गहरे रंगों का उपयोग करके परछाई बनाई और जानवर को गोलाई दी.

लड़का बस देखता और सुनता ही रहा - क्योंकि बूढ़े आदमी ने बीच में मंत्र उच्चारण कभी भी बंद नहीं किए.





जब पेंटिंग तैयार हुई तो वो बहुत बड़ी थी. उसमें एक ऐसा जानवर दिखाया गया था जो पृथ्वी को हिला सकता था - और अपने दो तेज सींगों से किसी भी आदमी को चीर सकता था.

लड़के ने इस चित्र को देखा और साथ में उसने दीवारों पर बने अन्य जानवरों के चित्रों को भी देखा.

नया जानवर जंगली घोड़ों या छोटे टट्टूओं जैसा चिकना और सुंदर नहीं था.



न ही उसमें महान बैलों के निशान थे. न ही बारहसिंगे जैसी सुंदरता और विनम्रता थी, जो महान बैलों के साथ-साथ घूमते थे.

वो जानवर गोल और सच में भयावह था, पर फिर भी चित्र उस जानवर की तरह नहीं दिखता था जो लड़के ने देखा था!

उसे डर था कि बूढ़े आदमी का जादुई मंत्र कहीं फेल न हो जाए.

फिर शिकारी भी जादू की गुफा में आए. उन्होंने मंच को हटाया और वे पेंट्स, ब्रश और औज़ार ले गए. छोटी-छोटी आग जलाई गईं. फिर बूढ़े आदमी ने एक पक्षी के चेहरे का मुखौटा पहना और एक चोगा पहना जो पंखों और फर का बना था. उसने अपने हाथ में एक जादू की छड़ी ली जिसके सिरे पर एक नक्काशीदार लकड़ी का पक्षी था.

फिर शिकारी गाना गाने लगे और नाचने लगे. उनके हिलते शरीरों से दीवार पर अजीब परछाई पड़ीं. हरेक शिकारी ने नई पेंटिंग को अपने भाले से छुआ.

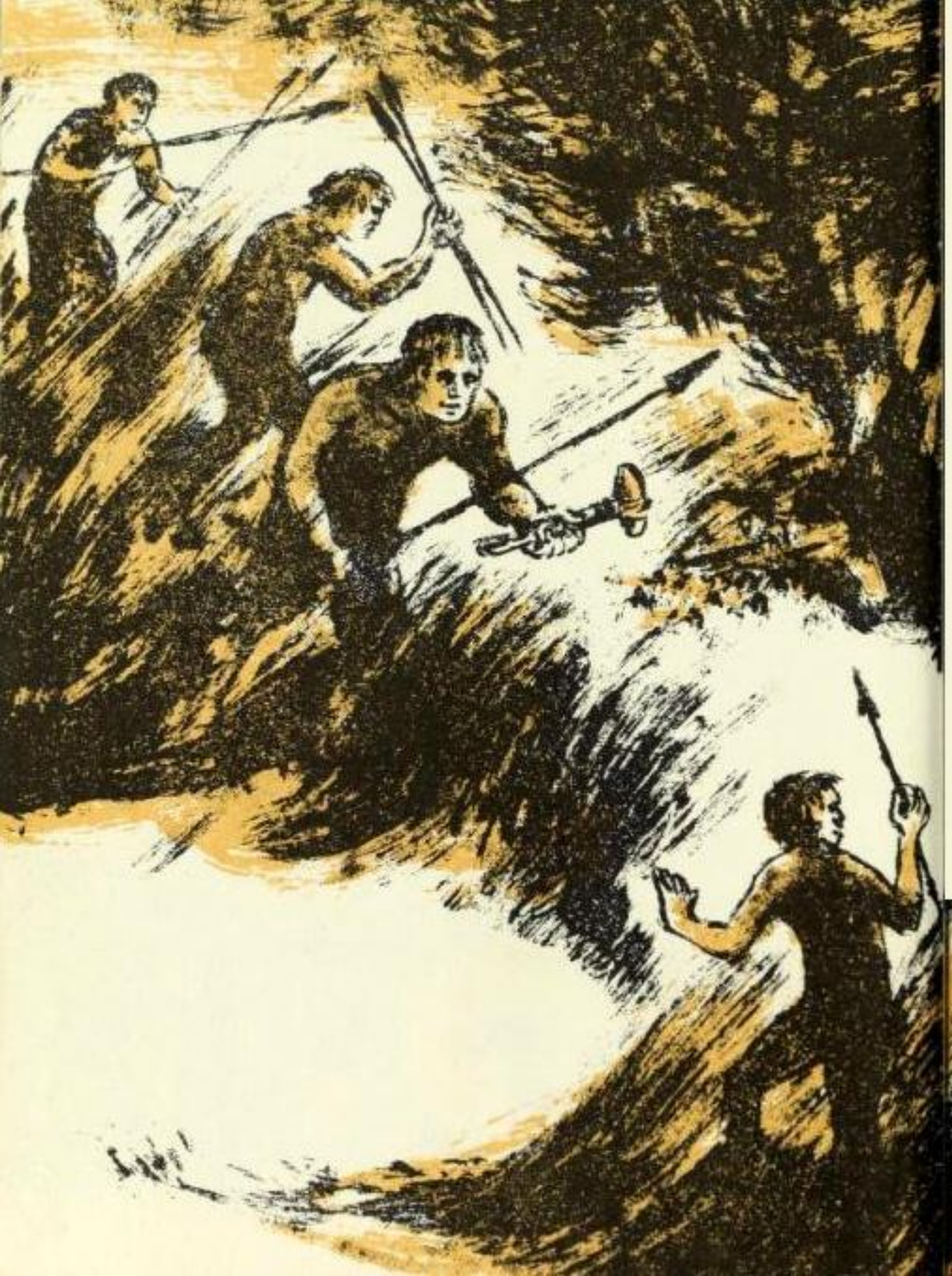
उन्होंने सोचा कि बूढ़े आदमी की पेंटिंग का जादू उनके भाले में बहकर आ जाएगा और वो उन्हें शिकार के लिए ताकत और कौशल प्रदान करेगा.





बूढ़ा आदमी भी, मंत्र जाप करता रहा और नाचता रहा. फिर बूढ़ा आदमी गुफा से निकलकर बाहर रात के अँधेरे में कहीं चला गया. वो सबसे ऊंची पहाड़ी पर चढ़ा और वहाँ खड़े होकर उसने अपने मुखौटे वाले चेहरे को सितारों की ओर किया.

उसने अज्ञात देवताओं से प्रार्थना की कि वो उसके जादू को घाटी के बाहर रहस्यमय नए जानवरों के ऊपर उड़ने दें जो उसके लोगों को भयभीत कर रहे थे.



जब तक शिकारियों का अनुष्ठान नृत्य समाप्त हुआ, तब तक भोर हो चुकी थी और उनमें बहुत साहस आ गया था.

क्योंकि उनका जादू अभी काफी मजबूत था, इसलिए वे तेज़ी से गुफा को छोड़कर बाहर निकले. लड़का उन्हें उस जगह ले गया, जहां उसने उस भयावह जानवर को देखा था.

लेकिन वहां पर उन्हें कोई भी अजीब और नया जानवर नहीं मिला.



उन्होंने सारे दिन खोजा.

उन्होंने कई अन्य जानवरों को देखा, लेकिन उनमें से उन्होंने किसी का भी शिकार नहीं किया. और जब महान बाइसन और बैल ने उनके रास्ते को पार किया, तो भी शिकारियों ने उन्हें जाने दिया. किसी भी अन्य जानवर को मारने से उनके भाले का जादू कमजोर होता.

जैसे-जैसे सूरज ढलने लगा उन्हें नदी के किनारे पर शोर सुनाई दिया.

वहां पर जानवर उछल-कूद रहे थे और शोर मचा रहे थे!

पेड़ उखड़ गए थे!

जमीन कांप रही थी!

फिर सब कुछ शांत हो गया. बड़ी सावधानी से लड़का और शिकारी नदी के पास पहुंचे. उनके भाले तैयार थे.

पर उन्होंने जो देखा, उसे देखकर वे रुक गए.





पेड़ कटे हुए इलाके के बीच एक महान बाइसन खड़ा था. उसका शरीर चिरा हुआ था. बाइसन कमजोरी से लड़खड़ा रहा था और कुछ देर में उसका सिर जमीन पर गिर गया.

उसके पैरों के पास ही बूढ़ा आदमी लेटा था. वो अभी भी पक्षी का मुखौटा और पंखों वाला चोगा पहने था. उसकी नक्काशीदार पक्षी वाली जादू की छड़ी अब उसके निर्जीव हाथ के पास पड़ी थी.

बूढ़े आदमी और मरने वाले बाइसन से दूर जा रहा एक बहुत बड़ा गैंडा था. उसके दोनों सींग खून और फर से सने थे.

शिकारियों ने गैंडे जैसे जानवर को पहले कभी नहीं देखा था. गैंडा, बूढ़े आदमी की पेंटिंग जैसा भी नहीं दिखता था.

लेकिन लड़के को पता था कि उसने उस अजीब जानवर को पहले देखा था!



शिकारियों ने महान गेंडे पर अपने तेज भाले फेंके. उनके हथियार सीधे गेंडे के शरीर से जाकर टकराए . . .

लेकिन भाले उस जानवर की मोटी खाल से टकराकर उसे बिना कुछ नुक्सान पहुंचाए ही जमीन पर गिर गए. बूढ़े आदमी का जादू फेल हो गया था.

शिकारी एक बार फिर से डर गए थे.

गेंडे ने ज़ोर से सूँघा और फिर वो धीरे-धीरे दूर गया और जल्द ही नदी के किनारे घने जंगल में गायब हो गया.



जानवर के चले जाने के बाद शिकारियों ने बड़े ध्यान से बूढ़े आदमी को उठाया और वे उसे अपनी गुफा में वापस लाए.

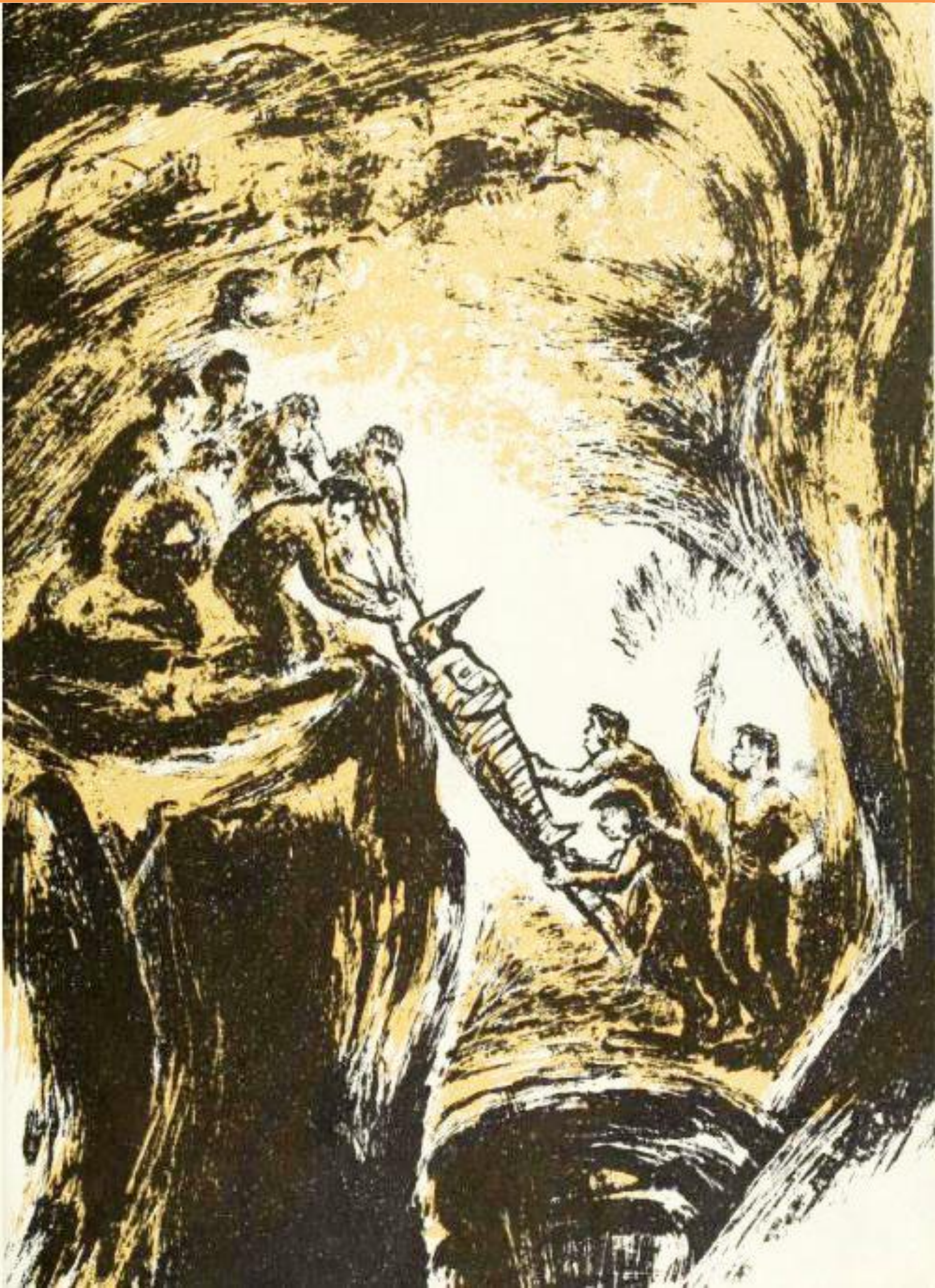
वे उसे गुफा के सबसे दूर के कोने में ले गए और वहां उन्होंने उसे एक गहरे और संकरे गड्ढे में दफनाया.

तब लड़के को समझ में आया कि अब उसे अपने लोगों की रक्षा करनी होगी.

लड़के ने सभी औज़ार, ब्रश और पेंट्स इकट्ठा किए. उसने सभी जादुई मंत्रों को याद किया, और फिर उसने बूढ़े व्यक्ति की कब्र के ऊपर की दीवार पर पेन्ट करना शुरू किया.

शिकारी देखते रहे. उन्होंने लड़के का जाप भी सुना.

अचानक, उनका डर ख़त्म हो गया था.





शिकारियों ने खूब साहस हासिल किया. वे जानते थे कि लड़के द्वारा बनाई गैंडे की पेंटिंग सच थी.

वो पेंटिंग बिलकुल उस अजीब नए जानवर की तरह दिख रही थी जिसे उन्होंने खुद देखा था.

उस दिन से वो लड़का गुफा का चित्रकार बन गया, फिर एक दिन वो भी बूढ़े आदमी जैसा ही बनेगा . . .

और फिर उसके कबीले के लोग बिना किसी डर के दुबारा शिकार करने में सक्षम होंगे.

लड़के के नदी के किनारे पर देखी गई लड़ाई का चित्र पेन्ट किया था - उसमें एक ओर ज़ख्मी बाइसन था, उसके पास बूढ़ा आदमी जमीन पर पड़ा था, और शक्तिशाली गैंडा उनसे दूर जा रहा था.





यह सब बीस हजार साल पहले हुआ था. लेकिन बाइसन, घोड़े, बैल, बूढ़े आदमी और गैंडे के चित्र आज भी देखे जा सकते हैं.

वे चित्र, फ्रांस में लास्काक्स की गुफा की दीवारों और छतों पर चित्रित है. वहां सैकड़ों अन्य पशुओं के चित्र भी हैं.

समाप्त